INDIAN SCHOOL AL WADI AL KABIR

Class: VII-2nd Lang.	Department: Hindi	Class Work
Worksheet No: 9	Topic: अपठित अर्थ ग्रहण	Note: Pl File in portfolio

प्रश्न-दिए गए गद्यांश के आधार पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए|

ग्लोबल वॉर्मिंग की समस्या निरंतर बढ़ती जा रही है। इस समस्या का कारण मनुष्य ही है। आने वाली पीढी चैन से सांस लेने के बजाय अपने अस्तित्व को बचाने के लिए संघर्ष करती नज़र आएगी। **21** ऐसे औद्योगिक देश हैं, जो वायुमंडल में लगभग **80** प्रतिशत कार्बन डाइऑक्साइड छोड़ते हैं, जिनमें अमेरिका सर्वोपरि है। बढ़ते तापमान का दूरगामी परिणाम हमारे देश की जीवन रेखा कहलाने वाले मानसून पर दिखाई पड़ने लगा है। अब पता नहीं चलता कि वर्षा कब आएगी और कितने समय रहेगी। तापमान बढ़ने से हिमालयी ग्लेशियरों के पिघलने की दर तेज़ी से बढ़ रही है। इससे नदियों में ज़्यादा पानी आएगा जो बाढ़ की मुसीबत पैदा करेगा और फिर नदियाँ हमेशा के लिए सूख जाएँगी। गंगा को जीवनदान देने वाला गंगोत्री ग्लेशियर **30** मीटर सालाना की दर से सिकुड़ता जा रहा है। बर्फ पिघलने से स्वाभाविक रूप से समुद्र के जल स्तर में वृद्धि होने लगी है, जिसकी वजह से कई टापुओं और विभिन्न तटीय देशों के डूबने का खतरा बना हुआ है। जल स्तर में बढ़ोतरी के साथ-साथ समुद्रीय जल का तापमान भी बढ़ता जा रहा है। भौगोलिक परिवर्तन के साथ-साथ ग्लोबल वॉर्मिंग से जैव मंडल भी काफ़ी प्रभावित हो रहा है। न सिर्फ स्थलीय और जलीय जीव-जंतुओं में बल्कि वनस्पतियों में भी कई परिवर्तन दिखाई दे रहे हैं।

प्रश्नः **1.** 'ग्लोबल वॉर्मिंग' क्या है**?** इसे समस्या क्यों कहा गया है**?**

उत्तर: ----------

प्रश्नः **2.** 'ग्लोबल वॉर्मिंग की समस्या' का कारण मनुष्य क्यों है**?**

उत्तर: ----------

प्रश्नः **3.** बढ़ते तापमान के कारण मानसून किस तरह प्रभावित हुआ है**?**

उत्तर: ----------

प्रश्नः **4.** ग्लोबल वार्मिंग के कारण ग्लेशियर मनुष्य के लिए हानिकारक क्यों प्रतीत होने लगे हैं**?**

उत्तर: ----------

प्रश्नः **5.** बर्फ पिघलने का समुद्र पर क्या असर होगा**?**

उत्तर: ----------

****